सीएसए के प्याज लहसुन का आईसीएआर की समिति ने किया मूल्यांकन

प्रस्तुतीकरण उपरांत सी एस ए की प्रशंसा की

डी टी एन एन। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साग भाजी अनुभाग पर संचालित अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन शोध परियोजना के विगत 5 वर्षों में किए गए शोध जैसे फसल सुधार,फसल उत्पादन एवं फसल सुरक्षा के मूल्यांकन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा गठित 5 वर्षीय समीक्षा समिति द्वारा किया गया। जिसमें समिति के अध्यक्ष डॉक्टर पीएस नायक भूतपूर्व अध्यक्ष भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी, समिति के सदस्य डॉ हरिकेश बहादुर सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष पादप रोग विज्ञान बीएचयू वाराणसी,डॉ विजय महाजन निदेशक एवं डॉक्टर राम दत्ता प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी पीएमई प्रकोष्ठ प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय पुणे के द्वारा प्रक्षेत्र पर लगाए गए प्याज एवं लहसुन के विभिन्न परीक्षणों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्याज अभिजनक बीज उत्पादन प्रक्षेत्र के कार्य को सराहना की एवं बल्ब उत्पादन व लहसुन के प्रक्षेत्र पर लगाए गए विभिन्न 43 प्रविष्टियों का भी अवलोकन करते हुए वैज्ञानिकों से पर चर्चा की। तत्पश्चात प्याज फसल के खरपतवार प्रबंधन, टपक सिंचाई परीक्षण, बल्ब उत्पादन परीक्षण एवं कीट एवं रोग प्रबंधन परीक्षण के साथ-साथ 53 प्रविष्टियों के जर्मप्लाज्म का भी अवलोकन किया एवं वैज्ञानिकों से विस्तृत चर्चा की। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रक्षेत्र भ्रमण के उपरांत विगत 5 वर्षों में किए गए कार्यों को डॉ राम बदुक सिंह प्रभारी मुख्य अन्वेषक द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा प्रक्षेत्र पर लगाए गए परीक्षणों तथा प्रस्तुतीकरण एवं विभागीय कार्यों की सराहना की गई। तथा मैनपुरी औरैया एवं कानपुर देहात एवं नगर से आए हुए 50 किसानों के साथ समिति द्वारा प्याज एवं लहसुन के उत्पादन में आने वाली समस्याओं एवं भविष्य की की रणनीति पर परिचर्चा की। कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ विजय यादव, डॉ डीपी सिंह प्रभारी एक्रिप् वेजिटेबल, डॉक्टर रामप्यारे प्रभारी आलू परियोजना, डॉक्टर आई एन शुक्ला, डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह,डॉ संजीव कुमार,डॉ पीके तिवारी,डॉ हरी विजय दुबे,डॉ इंद्रपाल सिंह केवीके दलीपनगर,सूरज कटियार एवं राकेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयुक्त निदेशक शोध डॉ राजीव द्वारा संचालन किया गया एवं धन्यवाद डॉ डीपी सिंह द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने सब्जी अनुभाग पर कार्यरत वैज्ञानिकों को उनके उत्तम शोध हेतु शुभकामनाएं दी हैं

सीएसए के प्याज लहसुन परियोजना का आईसीएआर द्वारा गठित समिति ने किया मूल्यांकन, प्रस्तुतीकरण उपरांत की प्रशंसा

(अनवर अशरफ) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साग भाजी अनुभाग पर संचालित अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन शोध परियोजना के विगत 5 वर्षों में किए गए शोध जैसे फसल सुधार,फसल उत्पादन एवं फसल सुरक्षा के मूल्यांकन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा गठित 5 वर्षीय समीक्षा समिति द्वारा किया गया। जिसमें समिति के अध्यक्ष डॉक्टर पीएस नायक भूतपूर्व अध्यक्ष भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी, समिति के सदस्य डॉ हरिकेश बहादुर सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष पादप रोग विज्ञान बीएचयू वाराणसी,डॉ विजय महाजन निदेशक एवं डॉक्टर राम दत्ता प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी पीएमई प्रकोष्ठ प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय पुणे के द्वारा प्रक्षेत्र पर लगाए गए प्याज एवं लहसुन के विभिन्न परीक्षणों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्याज अभिजनक बीज उत्पादन प्रक्षेत्र के कार्य को सराहना की एवं बल्ब उत्पादन व लहसुन के प्रक्षेत्र पर लगाए गए विभिन्न 43 प्रविष्टियों का भी अवलोकन करते हुए वैज्ञानिकों से पर चर्चा की। तत्पश्चात प्याज फसल के खरपतवार प्रबंधन, टपक सिंचाई परीक्षण, बल्ब उत्पादन परीक्षण एवं कीट एवं रोग प्रबंधन परीक्षण के साथ–साथ 53 प्रविष्टियों के जर्मप्लाज्म का भी अवलोकन किया एवं वैज्ञानिकों से विस्तृत चर्चा की। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रक्षेत्र भ्रमण के उपरांत विगत 5 वर्षों में किए गए कार्यों को डॉ राम बटुक सिंह प्रभारी मुख्य अन्वेषक द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा प्रक्षेत्र पर लगाए गए परीक्षणों तथा प्रस्तुतीकरण एवं विभागीय कार्यों की सराहना की गई। तथा मैनपुरी औरैया एवं कानपुर देहात एवं नगर से आए हुए 50 किसानों के साथ समिति द्वारा प्याज एवं लहसुन के उत्पादन में आने वाली समस्याओं एवं भविष्य की की रणनीति पर परिचर्चा की। कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ विजय यादव, डॉ डीपी सिंह प्रभारी एक्रिप् वेजिटेबल, डॉक्टर रामप्यारे प्रभारी आलू परियोजना, डॉक्टर आई एन शुक्ला, डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह,डॉ संजीव कुमार,डॉ पीके तिवारी,डॉ हरी विजय दुबे,डॉ इंद्रपाल सिंह केवीके दलीपनगर,सूरज कटियार एवं राकेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयुक्त निदेशक शोध डॉ राजीव द्वारा संचालन किया गया एवं धन्यवाद डॉ डीपी सिंह द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने सब्जी अनुभाग पर कार्यरत वैज्ञानिकों को उनके उत्तम शोध हेतु शुभकामनाएं दी हैं।

दैनिक जागरण कानपुर 04/02/2023

इन्वेस्टर्स समिट के लिए करेंगे जागरूक

जासं, कानपुर : इन्वेस्टर्स समिट के लिए पूर्व नौकरशाह व पूर्व शिक्षाविद् छात्र-छात्राओं को जागरूक करेंगे। शनिवार को सीएसए में कार्यक्रम होगा। इसमें सेवानिवृत्त आइएएस प्रवीर कुमार वार्ता करेंगे। एक कार्यक्रम एचबीटीयू में होगा।

(हिन्दी दैनिक)

R.N.I. No. Utthin/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नजर)

दि ग्राम टुडे

उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश से एक साथ प्रसारित

वर्ष : 04 अंक : 311 देहरादून, शनिवार, 4 फरवरी 2023 मूल्य : 2 रुपये पृष्ठ - 8

एक नजर

निकरा परियोजना का उद्देश्य, जलवायु अनुकूल

कृषि तकनीकी को बढ़ावा देना..डॉ. मिथिलेश वर्मा

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में निकरा परियोजना के अंतर्गत कस्टम हायरिंग द्वारा चयनित गांवों के किसानों को छिड़काव मशीनें वितरित की गई। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए नवीन तकनीकियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कृषि में फसल परिवर्तन, प्रजाति परिवर्तन एवं तकनीकी परिवर्तन नितांत आवश्यक है।इसके साथ ही समय प्रबंधन,इनपुट प्रबंधन एवं मार्केटिंग प्रबंधन भी काफी जरूरी है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने बताया कि निकरा परियोजना के अंतर्गत केंद्र के माध्यम से किसानों को कस्टम हायरिंग द्वारा मशीनरी उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिससे कृषि पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सके। इस कार्यक्रम के पश्चात केवीके प्रक्षेत्र पर स्प्रे मशीनों का प्रयोग भी किया गया है। साथ ही भ्रमण भी हुआ। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ पुष्पा देवी सहित 50 से अधिक किसान एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जैविक सब्जियां सेहत के लिए मुफीद

अमर उजाला कानपुर देहात 04/02/2023

संवाद न्यूज एजेंसी

कीटनाशक का प्रयोग न करने पर दिया जोर

कानपुर देहात। गोबर या फिर वर्मी कंपोस्ट के प्रयोग के साथ प्राकृतिक तौर पर तैयार की गई दवा के छिड़काव से जैविक सब्जियां उगाकर किसान आमदनी बढ़ा सकते हैं। ये सब्जियां सेहत के मुफीद होती हैं तो बाजार में इनका दाम अधिक मिलता है। यह बातें शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र दिलीपनगर की ओर से राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के तहत डेरापुर के नोनारी गांव में आयोजित किसानों की प्रशिक्षण कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिकों ने कहीं।

सब्जी की फसलों पर छिड़के जा रहे कीटनाशकों का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव एवं निगरानी विषय पर आयोजित कार्यशाला में उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि किसान अधिक पैदावार लेकर मुनाफा कमाने की होड़ में शामिल न हों।

कीटनाशक मानव शरीर पर बुरा असर डालते हैं। किसान जैविक विधि से सब्जियों का उत्पादन करें। इससे मृदा अधिक उपजाऊ बनी रहेगी। यह लोगों और पर्यावरण के लिए अनुकूल होगा। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. विनोद प्रकाश ने बताया कि भिंडी, बैंगन, लौकी व खीरा आदि में विभिन्न कीटनाशक दवाओं का असर सात से 21 दिन तक रहता है।

इसके प्रयोग से सब्जियों का स्वाद भी खराब हो जाता है। उन्होंने गोमूत्र, नीम की खली, निबोली आदि का घोल बनाकर सब्जी की फसलों पर छिड़कने की सलाह दी। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार ने किसानों को अन्य जानकारी दी।

यहां शरद सिंह ने किसानों का पंजीकरण किया। मौके पर राहुल, राजू सिंह, रामनाथ, उमा देवी, विनीता देवी आदि मौजूद रहे।

कानपुरः सीएसए के प्याज लहसुन परियोजना का आईसीएआर द्वारा गठित समिति ने किया मूल्यांकन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साग भाजी अनुभाग पर संचालित अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन शोध परियोजना के विगत 5 वर्षों में किए गए शोध जैसे फसल सुधार,फसल उत्पादन एवं फसल सुरक्षा के मूल्यांकन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा गठित 5 वर्षीय समीक्षा समिति द्वारा किया गया। जिसमें समिति के अध्यक्ष डॉक्टर पीएस नायक भूतपूर्व अध्यक्ष भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी, समिति के सदस्य डॉ हरिकेश बहादुर सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष पादप रोग विज्ञान बीएचयू वाराणसी,डॉ विजय महाजन निदेशक एवं डॉक्टर राम दत्ता प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी पीएमई प्रकोष्ठ प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय पुणे के द्वारा प्रक्षेत्र पर लगाए गए प्याज एवं लहसुन के विभिन्न परीक्षणों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्याज अभिजनक बीज उत्पादन प्रक्षेत्र के कार्य को सराहना की एवं बल्ब उत्पादन व लहसुन के प्रक्षेत्र पर लगाए गए विभिन्न 43 प्रविष्टियों का भी अवलोकन करते हुए वैज्ञानिकों से पर चर्चा की। तत्पश्चात प्याज फसल के खरपतवार प्रबंधन, टपक सिंचाई परीक्षण, बल्ब उत्पादन परीक्षण एवं कीट एवं रोग प्रबंधन परीक्षण के साथ-साथ 53 प्रविष्टियों के जर्मप्लाज्म का भी अवलोकन किया एवं वैज्ञानिकों से विस्तृत चर्चा की। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि प्रक्षेत्र भ्रमण के उपरांत विगत 5 वर्षों में किए गए कार्यों को डॉ राम बटुक सिंह प्रभारी मुख्य अन्वेषक द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा प्रक्षेत्र पर लगाए गए परीक्षणों तथा प्रस्तुतीकरण एवं विभागीय कार्यों की सराहना की गई। तथा मैनपुरी औरैया एवं कानपुर देहात एवं नगर से आए हुए 50 किसानों के साथ समिति द्वारा प्याज एवं लहसुन के उत्पादन में आने वाली समस्याओं एवं भविष्य की की रणनीति पर परिचर्चा की। कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ विजय यादव, डॉ डीपी सिंह प्रभारी एक्रिप वेजिटेबल, डॉक्टर रामप्यारे प्रभारी आलू परियोजना, डॉक्टर आई एन शुक्ला, डॉक्टर भूपेंद्र कुमार सिंह,डॉ संजीव कुमार,डॉ पीके तिवारी,डॉ हरी विजय दुबे,डॉ इंद्रपाल सिंह केवीके दलीपनगर, सूरज कटियार एवं राकेश कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयुक्त निदेशक शोध डॉ राजीव द्वारा संचालन किया गया एवं धन्यवाद डॉ डीपी सिंह द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने सब्जी अनुभाग पर कार्यरत वैज्ञानिकों को उनके उत्तम शोध हेतु शुभकामनाएं दी हैं।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 4 फरवरी • 2023

ोएसए में किसानों को दी गईं स्प्रे मशीनें

! में कस्टम हायरिंग के तहत छिड़काव मशीन प्राप्त करती लाभार्थी। फोटो : एसएनबी

ुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं ाकी विवि के अधीन संचालित निकरा जना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र नगर द्वारा चयनित गांवों के किसानों को न हायरिंग द्वारा छिड़काव मशीनें ा की गईं। केन्द्र प्रभारी डॉ. मिथिलेश इस अवसर पर नवीन तकनीकियों की करते हुए कृषि में फसल परिवर्तन, परिवर्तन व तकनीकी परिवर्तन को आवश्यक वताया।

न्होंने समय, इनपुट व मार्केटिंग प्रवंधन जरूरी वताया। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. प्रकाश ने वताया कि मशीनें कस्टम

> कस्टम हायरिंग के माध्यम से उपलब्ध कराई गयीं मशीनें

हायरिंग द्वारा उपलव्ध कराई गई हैं। इस कार्यक्रम के वाद केवीके प्रक्षेत्र पर स्प्रे मशीनों का प्रयोग भी किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. खलील खान, डॉ. अरुण कुमार सिंह, किसान व विवि के विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

हानिकारक कीटनाशकों के प्रयोग से बचें किसान : कृषि विज्ञान केन्द्र दलीपनगर के संयोजन में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत चयनित नोनारी गांव में सव्जी फसलों पर छिड़के जा रहे कीटनाशकों का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव पर एवं निगरानी विषयक कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुक्रवार को आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि किसान मुनाफे के लिए पैदावार वढ़ाने को कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग कर रहे हैं, जिसका मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कीटनाशकों से प्रभावित सव्जी व फलों के सेवन से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच रहा है। इससे वचने को किसानों को जैविक विधि से सव्जियों का उत्पादन करने की सलाह दी गई।

प्रसार वैज्ञानिक डॉ. विनोद प्रकाश ने किसानों को वताया कि भिंडी, वैगन, लौकी व खीरा आदि में विभिन्न कीटनाशकों का असर 7 से 21 दिन तक रहता है। साथ ही इनका स्वाद भी खराव हो जाता है। प्रसार वैज्ञानिक सुशील कुमार ने किसानों को परियोजना की जानकारी दी। शरद सिंह ने कार्यक्रम के लिए किसानों का पंजीकरण किया। ग्राम प्रधान राहुल, राजू सिंह, रामनाथ, उमा देवी, विनीता देवी सहित 50 से अधिक किसानों ने कार्यक्रम में भागीदारी की।

जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकी को बढ़ावा दें

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में निकरा परियोजना के अंतर्गत कस्टम हायरिंग द्वारा चयनित गांवों के किसानों को छिड़काव मशीनें वितरित की गई। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए नवीन तकनीकियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कृषि में फसल परिवर्तन, प्रजाति परिवर्तन एवं तकनीकी परिवर्तन नितांत आवश्यक है।इसके साथ ही समय प्रबंधन,इनपुट प्रबंधन एवं मार्केटिंग प्रबंधन भी काफी जरूरी है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद

प्रकाश ने बताया कि निकरा परियोजना के अंतर्गत केंद्र के माध्यम से किसानों को कस्टम हायरिंग द्वारा मशीनरी उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिससे कृषि पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सके। इस कार्यक्रम के पश्चात केवीके प्रक्षेत्र पर स्प्रे मशीनों का प्रयोग भी किया गया है। साथ ही भ्रमण भी हुआ। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ पुष्पा देवी सहित 50 से अधिक किसान एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

शुक्रवार 03 जनवरी, 2023 | अंक - 279

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

MID D

निकरा परियोजना का उद्देश्य, जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकी को बढ़ावा देनाः डॉ. मिथिलेश

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में निकरा परियोजना के अंतर्गत कस्टम हायरिंग द्वारा चयनित गांवों के किसानों को छिड़काव मशीनें वितरित की गई। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉ मिथिलेश वर्मा ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए नवीन तकनीकियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कृषि में फसल परिवर्तन, प्रजाति परिवर्तन एवं तकनीकी परिवर्तन नितांत आवश्यक है इसके साथ ही समय प्रबंधन,इनपुट प्रबंधन एवं मार्केटिंग प्रबंधन भी काफी जरूरी है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने बताया कि निकरा परियोजना के अंतर्गत केंद्र के माध्यम से किसानों को कस्टम हायरिंग द्वारा मशीनरी उपलब्ध कराई जा रही हैं। जिससे कृषि पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सके। इस कार्यक्रम के पश्चात केवीके प्रक्षेत्र पर स्प्रे मशीनों का प्रयोग भी किया गया है। साथ ही भ्रमण भी हुआ। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ पुष्पा देवी सहित 50 से अधिक किसान एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

4, एटा से प्रकाशित, शनिवार, 04 फरवरी, 2023 पृष्ठ: 8

जैविक सब्जियों के उत्पादन पर प्रशिक्षण के माध्यम से दिया जोर

(रहस्य संदेश) कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना अंतर्गत ग्राम नोनारी में सब्जी फसलों पर छिड़के जा रहे कीटनाशकों का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव एवं निगरानी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सब्जी व फलों आदि पर कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से किसान अधिक पैदावार बढ़ाकर अधिक मुनाफा कमाने की होड़ में है। लेकिन मानव शरीर को स्वास्थ्य व जवान बनाए रखने के लिए प्रयोग हो रहे फल व सब्जियों का असर मानव जीवन पर विपरीत पड़ रहा है। कीटनाशकों से प्रभावित सब्जी,फल फायदे से अधिक शरीर को नुकसान पहुंचा रहे हैं।उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जैविक विधि से सब्जियों का उत्पादन कर मृदा, मानव और पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखें। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने किसानों को बताया कि भिंडी,बैंगन,लौकी व खीरा आदि में विभिन्न कीटनाशक दवाओं का असर 7 से 21 दिन तक रहता है। साथ ही इनका स्वाद भी खराब हो जाता है।उन्होंने गोमूत्र, नीम की खली, निबोली आदि के घोल बनाकर सब्जी फसलों पर प्रयोग करने की सलाह दी। प्रसार वैज्ञानिक सुशील कुमार ने किसानों को परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी है। इस अवसर पर शरद सिंह ने किसानों का पंजीकरण किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राहुल, राजू सिंह, रामनाथ, उमा देवी एवं विनीता देवी सहित 50 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

किसानों को छिड़काव मशीन वितरित करते कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी।

किसानों को बांटी गईं छिड़काव मशीनें

निकरा परियोजना का उद्देश्य है जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकी को बढ़ावा देना : डॉ. वर्मा

कानपुर, 3 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में निकरा परियोजना के अंतर्गत कस्टम हायरिंग द्वारा चयनित गांवों के किसानों को छिड़काव मशीनें वितरित की गईं। इस अवसर पर केंद्र की प्रभारी डॉ. मिथिलेश वर्मा ने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए नवीन तकनीकियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कृषि में फसल परिवर्तन, प्रजाति परिवर्तन एवं तकनीकी परिवर्तन नितांत आवश्यक है। इसके साथ ही समय प्रबंधन, इनपुट प्रबंधन एवं मार्केटिंग प्रबंधन भी काफी जरूरी है। इस अवसर पर प्रसार वैज्ञानिक डॉ. विनोद प्रकाश ने बताया कि निकरा परियोजना के अंतर्गत केंद्र के माध्यम से किसानों को कस्टम हायरिंग द्वारा मशीनरी उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि कृषि पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सके। इस कार्यक्रम के पश्चात केवीके प्रक्षेत्र पर स्प्रे मशीनों का प्रयोग भी किया गया। साथ ही भ्रमण भी हुआ। इस अवसर पर ज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ. पुष्पा देवी सहित 50 से अधिक किसान एवं छात-छात्राएं उपस्थित रहे।

असम में बाल विवाह में शामिल हुए 52... 12

आसानी और समय से सस्ता न्याय सुलभ कराएं... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 14 | अंकः 114
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12
शनिवार | 04 फरवरी, 2023

कीटनाशकों का स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में बताया

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना अंतर्गत बीते दिन शुक्रवार को ग्राम नोनारी में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। सब्जी फसलों पर छिड़के जा रहे कीटनाशकों का मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव एवं निगरानी विषय पर हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अरुण कुमार सिंह ने सब्जी व फलों आदि पर कीटनाशकों के अधिक प्रयोग संबंधी विषय पर बताया। उन्होंने कहा कि सब्जी व फलों पर कीटनाशक के अधिक प्रयोग से अधिक पैदावार तो हो जाती है परंतु मानव शरीर और स्वास्थ्य पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों को जैविक विधि से सब्जियों का उत्पादन कर मृदा, मानव और पर्यावरण को स्वस्थ बनाए रखने की सलाह दी। प्रसार वैज्ञानिक डॉ.विनोद प्रकाश ने किसानों को बताया कि भिंडी, बैंगन, लौकी व खीरा आदि में विभिन्न कीटनाशक दवाओं का असर 7 से 21 दिन तक रहता है। उन्होंने गोमूत्र, नीम की खली, निबोली आदि के घोल बनाकर सब्जी फसलों पर प्रयोग करने की सलाह दी। इस अवसर पर किसानों का पंजीकरण शरद सिंह ने किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राहुल, राजू सिंह, रामनाथ, उमा देवी, विनीता देवी सहित 50 से अधिक किसान मौजूद रहे।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 4 फरवरी • 2023

सीएसए को प्याज-लहसुन परियोजना के मूल्यांकन में मिली प्रशंसा

कानपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा गठित कमेटी ने शुक्रवार को यहां सीएसए की प्याज-लहसुन परियोजना का मूल्यांकन निरीक्षण किया। कमेटी ने विवि के साग भाजी अनुभाग पर संचालित परियोजना के तहत विगत 5 वर्षों में फसल सुधार, फसल उत्पादन व फसल सुरक्षा को लेकर किये गये कार्यों के प्रस्तुतिकरण को देखा व उसकी प्रशंसा की। आईसीएआर, नई दिल्ली द्वारा गठित 5 वर्षीय समीक्षा कमेटी में अध्यक्ष डॉ. पीएस नायक (पूर्व अध्यक्ष, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी) के अलावा कोर सदस्य डॉ. हरिकेश बहादुर सिंह (पूर्व विभागाध्यक्ष पादप रोग विज्ञान विभाग, बीएचयू वाराणसी), डॉ. विजय महाजन (निदेशक) व डॉ. राम दत्त (प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी पीएमई प्रकोष्ठ, प्याज एवं लहसुन अनुसंधान संस्थान, पुणे) शामिल हैं। कमेटी ने निरीक्षण के दौरान प्याज अभिजनक बीज उत्पादन प्रक्षेत्र के कार्यों की सराहना की। कमेटी ने कन्द उत्पादन व लहसुन के प्रक्षेत्र पर लगाये गये विभिन्न 43 प्रविष्टियों का भी अवलोकन करते हुए प्याज एवं लहसुन के विभिन्न परीक्षणों पर वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की। कमेटी ने प्याज फसल के खरपतवार प्रबंधन, टपक सिंचाई परीक्षण, कन्द उत्पादन परीक्षण व कीट एवं रोग प्रबंधन परीक्षण के साथ-साथ 53 प्रविष्टियों के जर्मप्लाज्म का भी अवलोकन किया। विवि प्रवक्ता डॉ. खलील खान ने बताया कि परियोजना के तहत 5 वर्षों में किये गये कार्यों को प्रभारी मुख्य अन्वेषक डॉ. राम बटुक सिंह ने कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किया। कमेटी द्वारा प्रक्षेत्र पर लगाये गये परीक्षणों तथा प्रस्तुतिकरण एवं विभागीय कार्यों की सराहना की गई। कमेटी ने 50 किसानों के साथ भी समस्याओं व भविष्य की रणनीति पर चर्चा की। विवि कुलपति डॉ. विजेन्द्र सिंह ने भी सब्जी अनुभाग पर कार्यरत वैज्ञानिकों को उनके उन्नत शोध कार्यों के लिए शुभकामनाएं दी हैं। निरीक्षण व समीक्षा बैठक में निदेशक शोध डॉ. विजय यादव, डॉ. पीके सिंह, डॉ. राम प्यारे, डॉ. आईएन शुक्ला, डॉ. भूपेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।